भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 22 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1310 घंटे

विषय: i) अगले 6-7 दिनों के दौरान केरल, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि 22 जुलाई को तेलंगाना में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।
ii) 24-27 जुलाई के दौरान देश के पूर्वी और मध्य भागों (गंगा के तटीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड) में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 22 जुलाई 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम:

- ❖ मराठवाड़ा, गुजरात राज्य, छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई; जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, असम, त्रिपुरा, विदर्भ, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई।

विस्तृत मौसम जानकारी के लिए कृपया परिशिष्ट I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (परिशिष्ट II और III देखें):

- ❖ मानसून की रेखा औसत समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- ❖ उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और आसपास के क्षेत्र में निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों में एक ऊपरी हवायुक्त चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण-पूर्व की ओर झुका हुआ है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल स्तरों में उत्तर आंतरिक कर्नाटक से तटीय आंध्र प्रदेश के मध्य भागों तक, लगभग अक्षांश 15 डिग्री उत्तर के साथ एक पूर्व-पश्चिम रेखा है।
- ❖ दक्षिण छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर झारखंड और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तरों में एक-एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तरों में लगभग 94 डिग्री पूर्व देशांतर के साथ, अक्षांश 24 डिग्री उत्तर से उत्तर की ओर एक रेखा है।
- ❖ एक चक्रवाती परिसंचरण (उष्णकटिबंधीय चक्रवात विफा का अवशेष) अगले 24 घंटों में उत्तरी बंगाल की खाड़ी में उभरने की संभावना है। इसके प्रभाव से, अगले 48 घंटों में उसी क्षेत्र में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तेलंगाना में आज अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की बहुत संभावना है।
- केरल और माहे, कर्नाटक, तमिलनाडु में 22 से 28 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में 22 से 26 जुलाई तक, तटीय कर्नाटक में 22 जुलाई को, तेलंगाना में 23 जुलाई को और केरल में 25 से 27 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज सतही हवाएँ (40-50 किमी/घंटा) चलने की बहुत संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 22 से 28 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा; मराठवाड़ा में 22 और 26 जुलाई को; गुजरात राज्य में 22 और 26 से 28 जुलाई तक भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा की बहुत संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 22 से 28 जुलाई तक; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड में 24 से 28 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की बहुत संभावना; पश्चिम मध्य प्रदेश में 26 से 28 जुलाई तक; पूर्व मध्य प्रदेश में 25 से 28 जुलाई तक; विदर्भ, छत्तीसगढ़ में 22 से 26 जुलाई तक; झारखंड, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा में 24 और 25 जुलाई को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर मेघ गर्जन, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी/घंटा) के साथ हल्की/मध्यम वर्षा; बिहार में 24 और 25 जुलाई को मध्यम बिजली की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- जम्मू और कश्मीर में 22 से 24 जुलाई तक; हिमाचल प्रदेश में 22 और 26 से 28 जुलाई तक; उत्तराखंड में 22 से 28 जुलाई तक; पंजाब, हरियाणा में 22, 23, 27 और 28 जुलाई को; उत्तर प्रदेश में 25 से 28 जुलाई तक; पश्चिम राजस्थान में 27 और 28 जुलाई को और पूर्व राजस्थान में 23 और 26 से 28 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा; जम्मू-कश्मीर में 22 और 23 जुलाई को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर और मैदानी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन, बिजली के साथ हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- अगले 7 दिनों तक उत्तर-पूर्व भारत में कई/कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन, बिजली के साथ हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा में 22 से 28 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा; मेघालय में 23 जुलाई को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 22 जुलाई से 27 जुलाई 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

- **अरब सागर**: गुजरात तट और आसपास के समुद्री क्षेत्र में 23 से 27 जुलाई तक; कोंकण और गोवा, केरल, कर्नाटक तटों, लक्षद्वीप, मालदीव, कोमोरिन क्षेत्रों में; सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, दक्षिण ओमान और आसपास के यमन तट और समुद्री क्षेत्रों में; मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों और आसपास, दक्षिण अरब सागर के उत्तरी हिस्सों में 22 से 27 जुलाई तक।

- **बंगाल की खाड़ी:** तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश तटों, मन्नार की खाड़ी, अंडमान सागर में 22 से 27 जुलाई तक; ओडिशा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल तटों, पूरे उत्तरी बंगाल की खाड़ी में 24 से 27 जुलाई तक; दक्षिण और मध्य बंगाल की खाड़ी में 22 से 24 जुलाई तक।

ii. 22 से 25 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **मराठवाड़ा**: सोनपेठ (जिला परभणी) 17; पाथरी (जिला परभणी) 12; अर्धापुर (जिला नांदेड़) 9; भुम (जिला धाराशिव) 8; शिरूर अनंतपाल (जिला लातूर) 7;
- **छत्तीसगढ़**: भानपुरी (जिला बस्तर) 12;
- **गुजरात क्षेत्र**: कपड़वंज (जिला खेड़ा) 12; नवसारी AWS (जिला नवसारी) 9; नवसारी (जिला नवसारी), जलालपोर (जिला नवसारी), तलोद (जिला साबरकांठा) 7 प्रत्येक
- **कोंकण और गोवा**: सांताक्रूज (जिला मुंबई उपनगरीय), मुरुड (जिला रायगढ़), वाडा (जिला पालघर) 11 प्रत्येक; कुडाल (जिला सिंधुदुर्ग), सावंतवाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग), मापुसा (जिला उत्तर गोवा) 10 प्रत्येक; अलीबाग - IMD पार्ट टाइम (जिला रायगढ़), सवार्डे-एआरजी (जिला रत्नागिरी) 9 प्रत्येक; सांगेम (जिला दक्षिण गोवा), म्हसला (जिला रायगढ़) 8 प्रत्येक; गुहागढ़ (जिला रत्नागिरी), पेर्नम (जिला उत्तर गोवा), राजापुर (जिला रत्नागिरी), पणजी (जिला उत्तर गोवा) 7 प्रत्येक;
- **जम्मू-कश्मीर**: कटरा (जिला रियासी) 10; राजौरी (जिला राजौरी) 9; रियासी ARG (जिला रियासी) 8;
- **पंजाब**: सालेर्न AWS (जिला होशियारपुर) 10; पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना (जिला लुधियाना) 7;
- **ओडिशा**: मलकानगिरी (जिला मलकानगिरी) 10; कोमना (जिला नुआपाड़ा) 9; कोटपाड़ (जिला कोरापुट) 8; कोसागुमदा (जिला नवरंगपुर) 7;
- **तेलंगाना**: तांडूर (जिला विकाराबाद) 10; कोडंगल (ARG) (जिला विकाराबाद), एटूरनागरम (जिला मुलुगु), निदामनूर (जिला नलगोंडा), बाला नगर (जिला महबूबनगर) 8 प्रत्येक; डोमा (जिला विकाराबाद), गुदुरवरंगल (जिला महबूबाबाद), मुलाकलापल्ली (जिला भद्राद्री कोठागुडेम), कोडंगल (जिला विकाराबाद), सतुपल्ली (जिला खम्मम), नल्लाबेली (जिला वारंगल), एनकुरु (जिला खम्मम) 7 प्रत्येक;
- **विदर्भ**: मेहकर (जिला बुलढाणा) 9;
- **पश्चिम उत्तर प्रदेश**: एटा (जिला एटा) 9
- **हिमाचल प्रदेश**: अंब (जिला ऊना) 9; भड़ारी (जिला हमीरपुर) 7;
- **तटीय आंध्र प्रदेश और यनम**: मचेरला (जिला पलनाडु) 8; गुंटूर (जिला गुंटूर) 7
- **उत्तर आंतरिक कर्नाटक**: सेदम (जिला कलबुर्गी) 8; शाहपुर (जिला यदगिर) 7;
- **मध्य महाराष्ट्र**: इगतपुरी (जिला नासिक) 8;
- **सौराष्ट्र और कच्छ**: तलाजा (जिला भावनगर) 8
- **हरियाणा, दिल्ली**: ग्रीन फील्ड पीएस (जिला उत्तर पूर्वी दिल्ली) 8; ताजेवाला (जिला यमुना नगर) 7;
- **पूर्व उत्तर प्रदेश**: गोंडा CWC (जिला गोंडा) 8;
- **बिहार**: बिक्रम (जिला पटना) 8;
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल**: जीती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 8;
- **असम**: गोइबरगाँव (जिला बक्सा), हंगरबारी ARG (जिला कामरूप मेट्रोपॉलिटन) 8 प्रत्येक।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	**Subdivision**	**22- Jul**	**23- Jul**	**24- Jul**	**25- Jul**	**26- Jul**	**27- Jul**	**28- Jul**
		Day 1	**Day 2**	**Day 3**	**Day 4**	**Day 5**	**Day 6**	**Day 7**
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
7	ODISHA	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
8	JHARKHAND	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
9	BIHAR	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS
14	PUNJAB	FWS	FWS	SCT	ISOL	SCT	SCT	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	WS	WS	SCT	SCT	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
25	MARATHWADA	FWS	SCT	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
29	TELANGANA	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

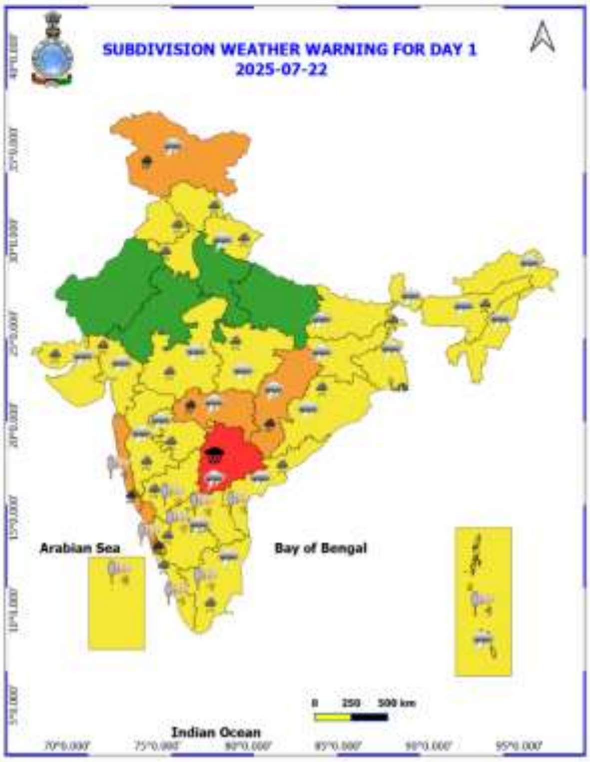
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-22
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

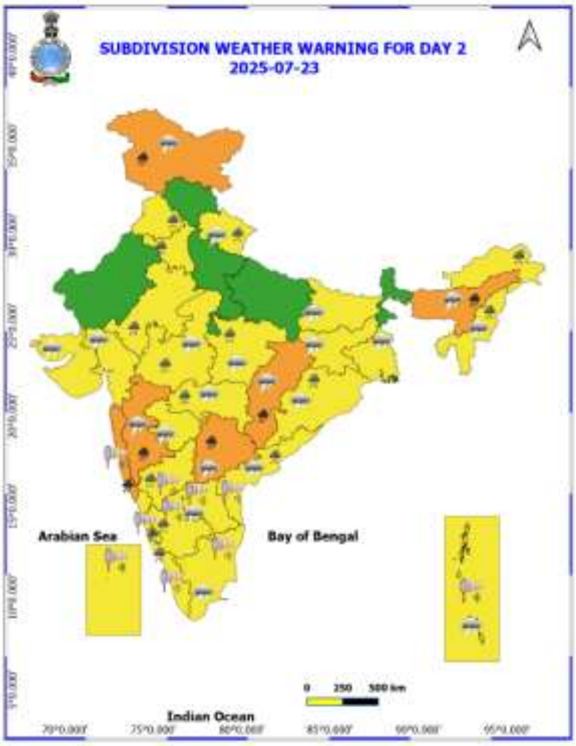
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-23
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

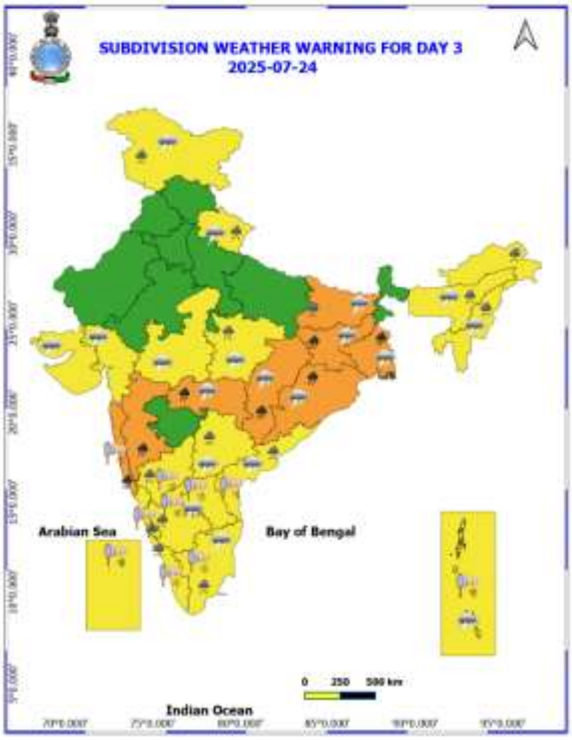
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-07-24
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

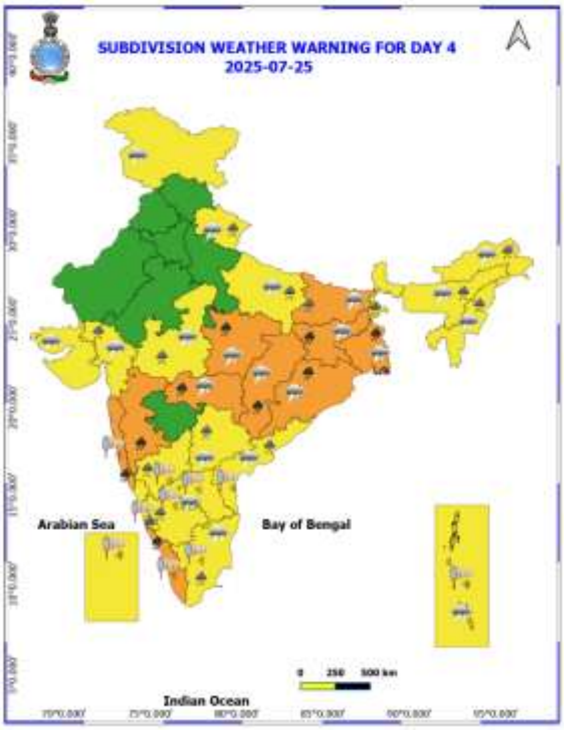

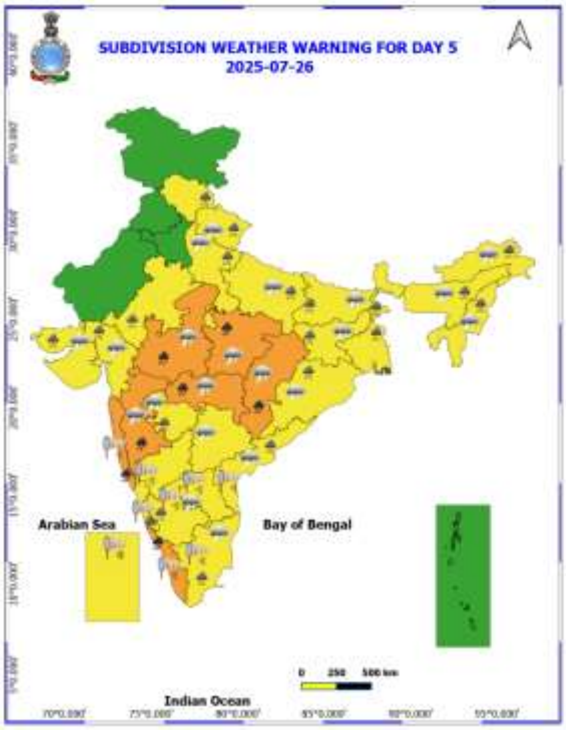

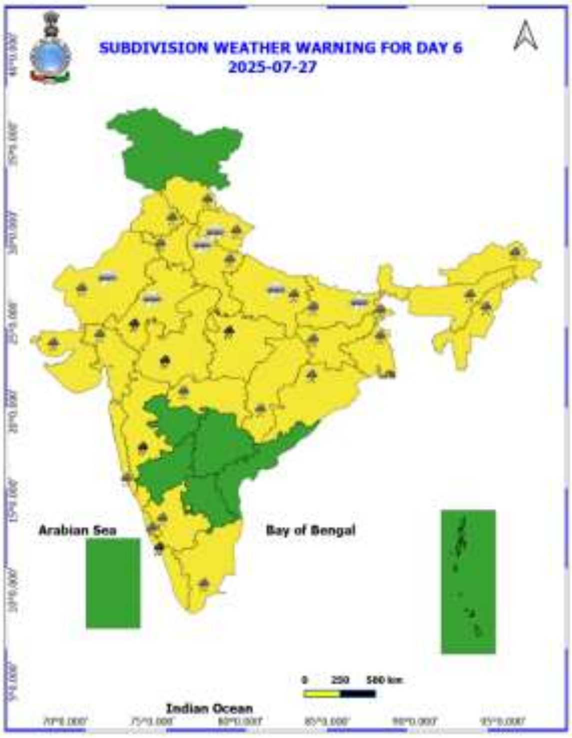

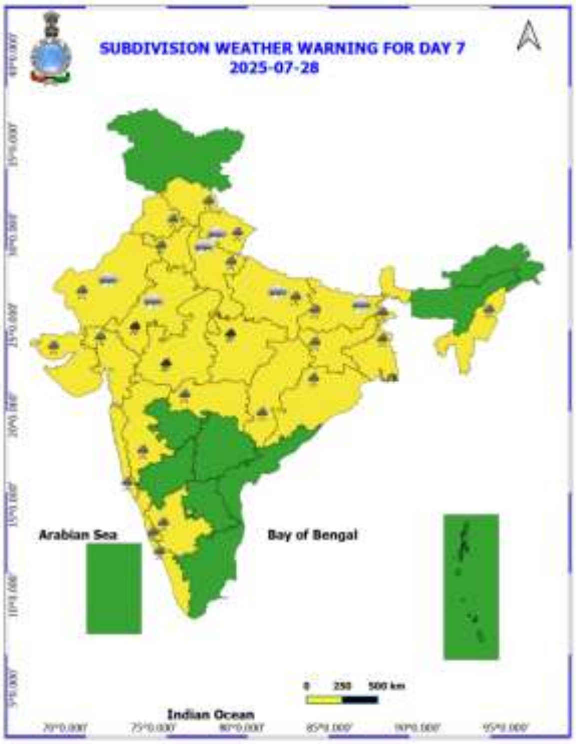

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए 22 से 25 जुलाई 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1-2°C तक की गिरावट और अधिकतम तापमान में 1-2°C तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 33°C और 24 से 27°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवा के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहे। दिल्ली में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के साथ अधिकांश स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की वर्षा दर्ज की गई है। आज दोपहर में इस क्षेत्र में दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम की हवा की गति के साथ आमतौर पर बादल छाए रहे।

मौसम पूर्वानुमान:

22.07.2025: आसमान में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। गरज/बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 30 से 32°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा। दोपहर में दक्षिण-पश्चिम दिशा से आने वाली हवा की गति 5-10 किमी प्रति घंटा से कम रहने की संभावना है। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से आने वाली हवा की गति 5-10 किमी प्रति घंटा रहेगी।

23.07.2025: आसमान में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। गरज/बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवाएँ दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेंगी, जिनकी गति 5-10 किमी प्रति घंटा से कम होगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम होकर यह गति कम हो जाएगी।

24.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4°C तक और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवाएँ पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेंगी। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति 15 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

25.07.2025: आसमान में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। गरज/बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक अधिक रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवाएँ पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेंगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे से कम की गति से हवा की गति बढ़ेगी।

हल्की से मध्यम वर्षा व गरज/बिजली गिरने की संभावना के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए कार्य:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- आज तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- **23** जुलाई को तेलंगाना में, **25-27** जुलाई के दौरान केरल में; **22-28** जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में; **26-28** जुलाई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; **25-28** जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; **22-26** जुलाई के दौरान विदर्भ, छत्तीसगढ़ में; **24** और **25** जुलाई को झारखंड, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी क्षेत्र और ओडिशा में और **22** और **23** जुलाई को जम्मू-कश्मीर में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

अपेक्षित प्रभाव

❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा/ अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- तेलंगाना में धान, मक्का, कपास, सोयाबीन और सब्जियों के खेतों से उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- महाराष्ट्र के विदर्भ में सोयाबीन, कपास, अरहर, ज्वार, मक्का, मूंग, उड़द और हल्दी के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें। कोंकण में धान और रागी की नर्सरी, मूंगफली, सब्ज़ियों और बागवानी फसलों तथा मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में धान और रागी की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- जम्मू और कश्मीर में, उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में मक्का, मूंग, सब्जियों और रोपे गए धान के खेतों में तथा मध्यवर्ती क्षेत्र में मक्का और खरीफ दलहन की फसलों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा बनाए रखें।
- उत्तराखंड में, भाबर और तराई क्षेत्र में धान और पहाड़ी क्षेत्र में उड़द के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में बाजरा, रागी, खीरा और धान के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मक्का, रागी और सब्जियों जैसी खड़ी फसलों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाएँ। लंबी और फलदार फसलों एवं खीरे की बेलों को सहारा प्रदान करें। मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र में, पके हुए टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च और फलों की कटाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

- केरल में, केले के पौधों की सुरक्षा के लिए सहायता प्रदान करें। मध्य क्षेत्र में केला, नारियल और धान में; दक्षिणी क्षेत्र में केला, नारियल, अदरक और सब्जियों के खेतों में तथा ऊँचाई वाले क्षेत्र में धान की नर्सरी में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। उत्तरी क्षेत्र में, धान की बुवाई / नर्सरी तैयार करना स्थगित करें।
- कर्नाटक में, तटीय क्षेत्र में धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें तथा सुपारी के खेतों एवं केले के बागानों में जल निकासी की व्यवस्था करें। पहाड़ी क्षेत्र में, धान की नर्सरी, मक्का, कपास एवं अदरक के खेतों तथा सुपारी के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र में, सुपारी और नारियल के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें। दक्षिणी शुष्क क्षेत्र में, मक्का, टमाटर और केले की फसल को सहारा प्रदान करें। विशेष रूप से धान, सब्जियों और मसाला फसलों में जलभराव को रोकने हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- तटीय आंध्र प्रदेश में, कृष्णा गोदावरी क्षेत्र में मक्का और सीधे बोए गए धान के खेतों में उचित जल निकासी चैनल सुनिश्चित करें।
- तेलंगाना में, मक्का, कपास और सोयाबीन के खेतों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- कोंकण में, धान और रागी की नर्सरियों, मूंगफली, सब्जियों और बागानों से तथा मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में धान और रागी की नर्सरियों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें।
- छतीसगढ़ में, धान, मक्का, अरहर, लघु अनाज और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु व्यवस्था करें। लंबी / कमजोर फसलों को गिरने या टूटने से बचाने के लिए खूंटियों या बांस से सहारा प्रदान करें।
- ओडिशा में, धान की नर्सरियों एवं रोपित धान, मक्का, दालों, सब्जियों तथा बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- अरुणाचल प्रदेश में, रागी, बागानों, सब्जियों और रोपे गए धान में जल निकासी बनाए रखें। बाजरे की नर्सरी क्यारियों को प्लास्टिक शीट या शेड से ढक दें, और पहले से बोए गए बीजों की सतह को पत्तियों जैसी प्राकृतिक गीली घास की हल्की परत से ढक दें।
- मेघालय में, धान की नर्सरी क्यारियों के आस-पास उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। मक्का, लोबिया, भिंडी, बैंगन और कद्दू की फसलों के खेतों में जलभराव को रोकने हेतु पर्याप्त जल निकासी सुनिश्चित करें। केले के पौधे को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

23-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, लाहुल-स्पीति, मंडी, शिमला और सिरमौर जिले। जम्मू और कश्मीर एवं लद्दाख - अनंतनाग, डोडा, जम्मू, कठुआ, किस्तवाड़, कुलगाम, पुंछ, राजौरी, रामबन, रियासी, सांबा, उधमपुर, कारगिल, लेह और लद्दाख तथा मीरपुर जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	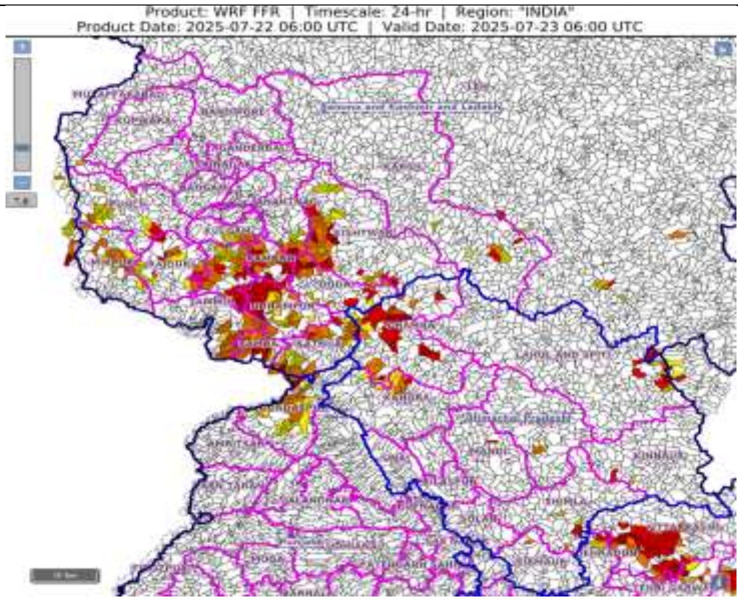
23-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। उत्तराखंड - चमोली, देहरादून, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	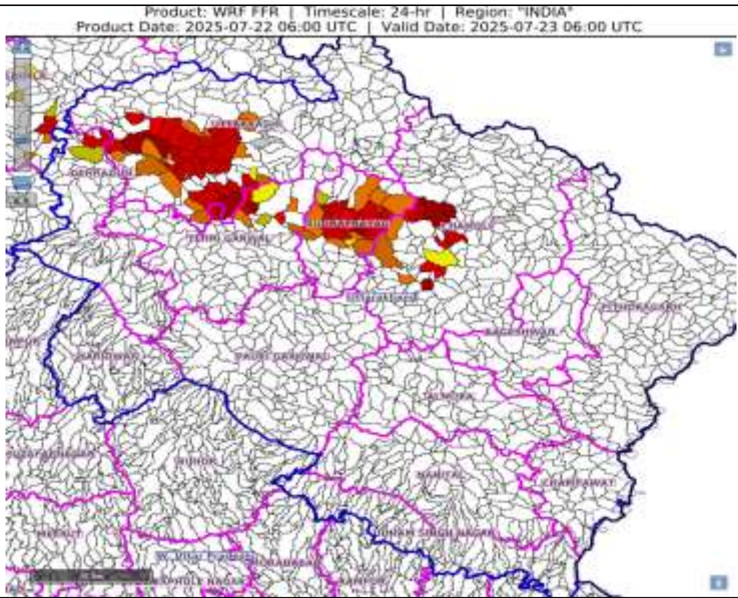
23-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। तटीय कर्नाटक - दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिले। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक से सटे - चिकमगलूर, हासन, कोडागु और शिमोगा जिले। कोंकण और गोवा - उत्तरी गोवा, दक्षिण गोवा, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग और ठाणे जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	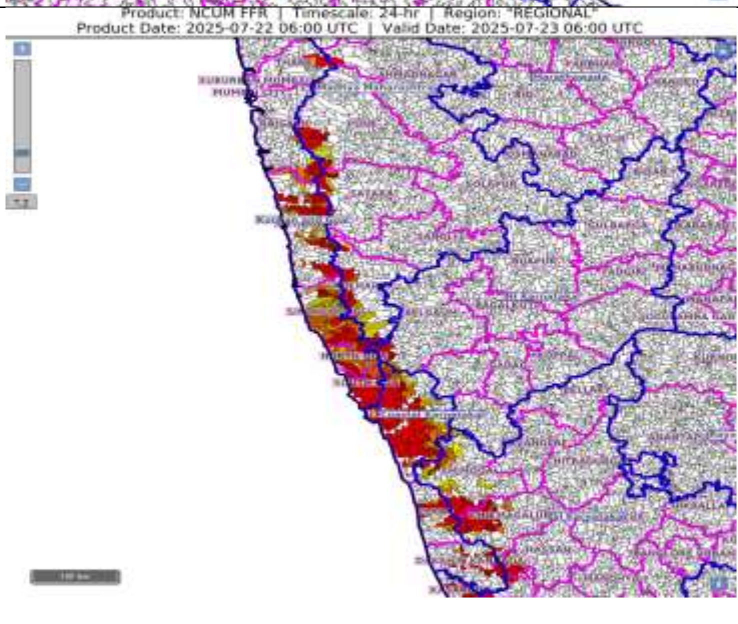

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

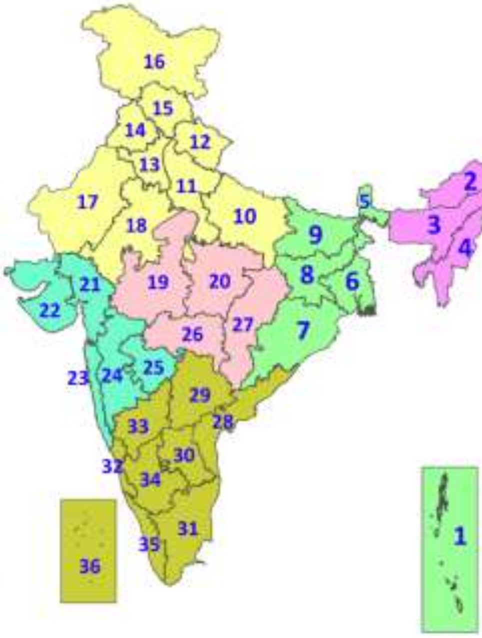

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)